विदुषी की विनिमय-लीला-2

“लेखक : लीलाधर धीरे-धीरे यह बात हमारी रतिक्रिया के प्रसंगों में रिसने लगी। मुझे चूमते हुए कहते, सोचो कि कोई दूसरा चूम रहा है। मेरे स्तनों, योनिप्रदेश से खेलते मुझे दूसरे पुरुष का ख्याल कराते। उस अनय नामक किसी दूसरी के पति का नाम लेते, जिससे इनका चिट्ठी संदेश वगैरह का लेना देना चल रहा […] ...”

Story By: (happy123soul)
Posted: Friday, May 27th, 2011
Categories: कोई मिल गया
Online version: विदुषी की विनिमय-लीला-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

विदुषी की विनिमय-लीला-2

लेखक : लीलाधर

धीरे-धीरे यह बात हमारी रतिक्रिया के प्रसंगों में रिसने लगी। मुझे चूमते हुए कहते, सोचो कि कोई दूसरा चूम रहा है। मेरे स्तनों, योनिप्रदेश से खेलते मुझे दूसरे पुरुष का ख्याल कराते। उस अनय नामक किसी दूसरी के पति का नाम लेते, जिससे इनका चिट्ठी संदेश वगैरह का लेना देना चल रहा था।

अब उत्तेजना तो हो ही जाती है, भले ही बुरा लगता हो।

मैं डाँटती, उनसे बदन छुड़ा लेती, पर अंतत : उत्तेजना मुझे जीत लेती। बुरा लगता कि शरीर से इतनी लाचार क्यों हो जाती हूँ।

कभी कभी उनकी बातों पर विश्वास करने का जी करता। सचमुच इसमें कहाँ धोखा है। सब कुछ तो एक-दूसरे के सामने खुला है। और यह अकेले अकेले लेने का स्वार्थी सुख तो नहीं है, इसमें तो दोनों को सुख लेना है।

पर दाम्पत्य जीवन की पारस्परिक निष्ठा इसमें कहाँ है ?

तर्क-वितर्क, परम्परा से मिले संस्कारों, सुख की लालसा, वर्जित को करने का रोमांच, कितने ही तरह के स्त्री-मन के भय, गृहस्थी की आशंकाएँ आदि के बीच मैं डोलती रहती।

पता नहीं कब कैसे मेरे मन में ये अपनी इच्छा का बीज बोने में सफल हो गए। पता नहीं कब कैसे यह बात स्वीकार्य लगने लगी। बस एक ही इच्छा समझ में आती। मुझे इनको सुखी देखना है। ये बार बार विवशता प्रकट करते। “अब क्या करूँ, मेरा मन ही ऐसा है। मैं

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

औरों से अलग हूँ, पर बेइमान या धोखेबाज नहीं। और मैं इसे गलत मान भी नहीं पाता। यह चीज हमारे बीच प्रेम को और बढ़ाएगी।!"

एक बार इन्होंने बढ़कर कह ही दिया," मैं तुम्हें किसी दूसरे पुरुष की बाहों में कराहता, सिसकारियाँ भरता देखूँ तो मुझसे बढ़कर सुखी कौन होगा ?"

मैं रूठने लगी।

इन्होंने मजाक किया,"मैं बतलाता हूँ कौन ज्यादा सुखी होगा ! वो होगी तुम !"

"जाओ... !" मैंने गुस्से में भरकर इनकी बाँहों को छुड़ाने के लिए जोर लगा दिया।

पर इन्होंने मुझे जकड़े रखा। इनका लिंग मेरी योनि के आसपास ही घूम रहा था, उसे इन्होंने अंदर भेजते हुए कहा,"मेरा तो पाँच ही इंच का है, उसका तो पूरा ... "

मैंने उनके मुँह पर मुँह जमाकर बोलने से रोकना चाहा पर...

"सात इंच का है।" कहते हुए वे आवेश में आ गए, धक्के लगाने लगे।

हांफते हुए उन्होंने जोड़ा," पूरा अंदर तक मार करेगा, साला।"

कहते हुए वे पागल होकर जोर जोर से धक्के लगाते हुए स्खलित हो गए। मैं इनके इस हमले से बौखला उठी। जैसे तेज नशे की कोई गैस दिमाग में घुसी और मुझे बेकाबू कर गई।

'ओह'.. से तुरंत 'आ..ऽ..ऽ..ऽ..ह' का सफर ! मेरे अंदर भरते इनके गर्म लावे के तुरंत बाद ही मैं भी किसी मशीनगन की तरह तड़ तड़ छूट रही थी। मैंने जाना कि शरीर की अपनी मांग होती है, वह किसी नैतिकता, संस्कार, तर्क कुतर्क की नहीं सुनता।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उत्तेजना के तप्त क्षणों में उसका एक ही लक्ष्य होता है– चरम सुख।

धीरे धीरे यह बात टालने की सीमा से आगे बढ़ती गई। लगने लगा कि यह चीज कभी किसी न किसी रूप में आना ही चाहती है। बस मैं बच रही हूँ। लेकिन पता नहीं कब तक।

इनकी बातों में इसरार बढ़ रहा था। बिस्तर पर हमारी प्रेमक्रीड़ा में मुझे चूमते, मेरे बालों को सहलाते, मेरे स्तनों से खेलते हुए, पेट पर चूमते हुए, बाँहों, कमर से बढ़ते अंतत : योनि की विभाजक रेखा को जीभ से टटोलते, चूमते हुए बार बार 'कोई और कर रहा है !' की याद दिलाते। खासकर योनि और जीभ का संगम, जो मुझे बहुत ही प्रिय है, उस वक्त तो उनकी किसी बात का विरोध मैं कर ही नहीं पाती। बस उनके जीभ पर सवार वो जिधर चलाए ले जाते जाते मैं चलती चली जाती। उस संधि रेखा पर एक चुम्बन और 'कितना स्वादिष्ट' के साथ 'वो तो इसकी गंध से ही मदहोश हो जाएगा !' की प्रशंसा, या फिर जीभ से अंदर की एक गहरी चाट लेकर 'कितना भाग्यशाली होगा वो !'

मैं सचमुच उस वक्त किसी बिना चेहरे के 'वो' की कल्पना कर उत्तेजित हो जाती। वो मेरे नितम्बों की थरथराहटों, भगनासा के बिन्दु के तनाव से भाँप जाते। अंकुर को जीभ की नोक से चोट देकर कहते- 'तुम्हें इस वक्त दो और चाहिए जो इनका (चूचुकों को पकड़कर) ध्यान रख सके। मैं उन दोनों को यहाँ पर लगा दूँगा।'

बाप रे... तीनों जगहों पर एक साथ !मैं तो मर ही जाऊँगी !

मैं स्वयं के बारे में सोचती थी – कैसे शुरू में सोच में भी भयावह लगने वाली बात धीरे धीरे सहने योग्य हो गई थी। अब तो उसके जिक्र से मेरी उत्तेजना में संकोच भी घट गया था। इसकी चर्चा जैसे जैसे बढ़ती जा रही थी मुझे दूसरी चिंता सताने लगी थी। क्या होगा अगर इन्होंने एक बार ले लिया यह सुख। क्या हमारे स्वयं के बीच दरार नहीं पड़ जाएगी ? बार-बार करने की इच्छा नहीं होगी ? लत नहीं लग जाएगी ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपने पर भी कभी कभी डर लगता, कहीं मैं ही न इसे चाहने लगूँ। मैंने एक दिन इनसे झगड़े में कह भी दिया,"देख लेना, एक बार हिचक टूट गई तो मैं ही न इसमें बढ़ जाऊँ ! मुझे देने वाले सैंकड़ों मिलेंगे।"

उन्होंने डरने के बजाए उस बात को तुरन्त लपक लिया,"वो मेरे लिए बेहद खुशी का दिन होगा। तुम खुद चाहो, यह तो मैं कब से चाहता हूँ।"

फिर मजाक किया,"तुम्हारे लिए मर्दों की लाइन लगा दूँगा।"

मैंने तिलमिलाकर व्यंग्य किया,"और तुम क्या करोगे, मेरी दलाली ?"

"गुस्सा मत करो !मैंने तो मजाक किया। हम क्या नहीं देखेंगे कि बात हद से बारह न निकले ? हम कोई बच्चे तो नहीं हैं। जो कुछ भी करेंगे, सोच समझकर और नियंत्रण के साथ !"

नियंत्रण के साथ अनियंत्रित होने का खेल। कैसी विचित्र बात !

अब मैं विरोध कम ही कर रही थी। बीच-बीच में कुछ इस तरह से वार्तालाप हो जाती मानों हम यह करने वाले हों और आगे उसमें क्या क्या कैसे कैसे करेंगे इस पर विचार कर रहे हों।

पर मैं अभी भी संदेह और अनिश्चय में थी। गृहस्थी दाम्पत्य-स्नेह पर टिकी रहती है, कहीं उसमें दरार न पड़ जाए। पति-पत्नी अगर शरीर से ही वफादार न रहे तो फिर कौन सी चीज उन्हें अलग होने से रोक सकती है ?

एक दिन हमने एक ब्लू फिल्म देखी जिसमें पत्नियों प्रेमिकाओं की धड़ल्ले से अदला-बदली दिखाई जा रही थी। सारी क्रिया के दौरान और उसके बाद जोड़े बेहद खुश दिख रहे थे। उसमें सेक्स कर रहे मर्दों के बड़े बड़े लिंग देखकर 'इनके' कथन 'उसका तो सात इंच का है।'

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

की याद आ रही थी।

संदीप के औसत साइज के पांच इंच की अपेक्षा उस सात इंच के लिंग की कल्पना को दृश्य रूप में घमासान करते देखकर मैं बेहद गर्म हो गई थी। मैंने जीवन में पति के सिवा किसी और के साथ किया नहीं था। यह वर्जित दृश्य मुझे हिला गया था। उस रात हमारे बीच बेहद गर्म क्रीड़ा चली। फिल्म के खत्म होने से पहले ही मैं आतुर हो गई थी। मेरी साँसें गर्म और तेज हो गई थीं, जबकि संदीप खोए-से उस दृश्य को देख रहे थे, संभवत : कल्पना में उन औरतों में कहीं पर मुझे रखते हुए।

मैंने उन्हें खींचकर अपने से लगा लिया था। संभोग क्रिया के शुरू होते न होते मैं उनके चुम्बनों से ही मंद-मंद स्खलित होना शुरू हो गई थी। लिंग-प्रवेश के कुछ क्षणों के बाद तो मेरे सीत्कारों और कराहटों से कमरा गूंज रहा था, मैं खुद को रोकने की कोशिश कर रही थी कि आवाज बाहर न चली जाए।

सुनकर उनका उत्साह दुगुना हो गया था। उस रात हम तीन बार संभोगरत हुए। संदीप ने कटाक्ष भी किया कि,"कहती तो हो कि नहीं चाहते हैं, और यह क्या है ?"

उस रात के बाद मैंने प्रकट में आने का फैसला कर लिया। संदीप को कह दिया– 'सिर्फ एक बार ! वह भी सिर्फ तुम्हारी खातिर। केवल आजमाने के लिए। मैं इन चीजों में नहीं पड़ना चाहती।'

मेरे स्वर में स्वीकृति की अपेक्षा चेतावनी थी।

उस दिन के बाद से वे जोर-शोर से अनय-शीला के अलावा किसी और उपयुक्त दम्पति के तलाश में जुट गए। ऑर्कुट, फेसबुक, एडल्टफ्रेंडफाइ... न जाने कौन कौन सी साइटें। उन दंपतियों से होने वाली बातों की चर्चा सुनकर मेरा चेहरा तन जाता, वे मेरा डर और चिंता

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दूर करने की कोशिश करते,"मेरी कई दंपतियों से बात होती है। वे कहते हैं वे इस तजुर्बे के बाद बेहद खुश हैं। उनके सेक्स जीवन में नया उत्साह आ गया है। जिनका तजुर्बा अच्छा नहीं रहा उनमें ज्यादातर अच्छा युगल नहीं मिलने के कारण असंतुष्ट हैं।

मेरे एक बड़े डर कि 'दूसरी औरत के साथ उनको देखकर मुझे ईर्ष्या नहीं होगी ?' वे कहते 'जिनमें आपस में ईर्ष्या होती है वे इस जीवन शैली में ज्यादा देर नहीं ठहरते, इसको एक समस्या बनने देने से पहले ही बाहर निकल जाते हैं। ऐसा हम भी कर सकते हैं।'

मैं चेताती- 'समस्या बने न बने, सिर्फ एक बार... बस।'

उसी दंपति अनय-शीला से सबसे ज्यादा बातें चैटिंग वगैरह हो रही थी। सब कुछ से तसल्ली होने के बाद उन्होंने उनसे मेरी बात कराई। औरत कुछ संकोची-सी लगी, पर पुरुष परिपक्व तरीके से संकोचहीन।

मैं कम ही बोली, उसी ने ज्यादा बात की, थोड़े बड़प्पन के भाव के साथ। मुझे वह 'तुम' कहकर बुला रहा था। मुझे यह अच्छा लगा। मैं चाहती थी कि वही पहल करने वाला आदमी हो। मैं तो संकोच में रहूँगी। उसकी पत्नी से बात करते समय संदीप अपेक्षाकृत संयमित थे। शायद मेरी मौजूदगी के कारण। मैंने सोचा अगली बार से उनकी बातचीत के दौरान मैं वहाँ से हँट जाऊँगी।

उनकी तस्वीरें अच्छी थीं। अनय अपनी पत्नी की अपेक्षा देखने में चुस्त और स्मार्ट था और उससे काफी लम्बा भी। मैं अपनी लंबाई और बेहतर रंग-रूप के कारण उसके लिए शीला से कहीं बेहतर जोड़ी दिख रही थी।

संदीप ने इस बात को लेकर मुझे छेड़ा भी- 'क्या बात है भई, तुम्हारा लक तो बढ़िया है !'

मिलने के प्रश्न पर मैं चाहती थी पहले दोनों दंपति किसी सार्वजनिक जगह में मिलकर फ्री

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हो लें। अनय को कोई एतराज नहीं था पर उन्होंने जोड़ा," पब्लिक प्लेस में क्यों, हमारे घर ही आ जाइये। यहीं हम 'सिर्फ दोस्त के रूप में' मिल लेंगे।"

'सिर्फ दोस्त के रूप में' को वह थोड़ा अलग से हँसकर बोला। मुझे स्वयं अपना विश्वास डोलता हुआ लगा– क्या वास्तव में मिलना केवल फ्रेंडली तक रहेगा ? उससे आगे की संभावनाएँ डराने लगीं...

पढ़ते रहिएगा !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

चलती बस में सेक्स भरी मस्ती

बात उन दिनों की है जब मैं हॉस्टल में रहती थी। मेरी रूम पार्टनर सीमा मुझसे तीन साल सीनियर थी, उसके कई बॉय फ्रैंड थे। कई बार जब वो आते थे तो सीमा किसी बहाने से मुझे बाहर भेज देती […]
Full Story >>>

प्रशंसिका ने दिल खोल कर चूत चुदवाई -1

दोस्तो, एक बार फिर आप सबके सामने आपका प्यारा शरद एक नई कहानी के साथ हाजिर है लेकिन कहानी लिखने से पहले आपसे एक बात शेयर करना चाहता हूँ। मैं अन्तर्वासना की साईट पर भी मेरे द्वारा लिखी गई कहानी […]
Full Story >>>

मैट्रो में मिली सेक्सी सोनिया -4

मैं उसकी चूत से अपना मुँह लगा कर चूस रहा था, कभी पूरी चूत अपने मुँह को पूरा खोल कर अन्दर ले रहा था तो कभी अपने दोनों हाथों से उसकी बुर को फैला के जीभ अंदर डाल रहा था। […]
Full Story >>>

लन्ड देख भड़की मेरी चूत की प्यास

हैलो फ्रेंड्स मैं चंचला.. मेरी उम्र 28 साल है.. मैं अभी अपने पति के साथ दिल्ली में रहती हूँ। मेरी चूचियों की साइज़ 36 इन्च है.. गाण्ड 38 इंच की है और मस्त बलखाती हुई कमर है। मैं शुरू से […]
Full Story >>>

मैट्रो में मिली सेक्सी सोनिया-3

मूवी खत्म हुई और हम लोग बाहर निकल आए। उसी मॉल में दोनों ने साथ में डिनर किया। तभी सोनिया ने बताया की उसके मम्मी पापा एक दिन के लिए बाहर जा रहे है परसों, तो परसों शाम को घर […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Delhi Sex Chat

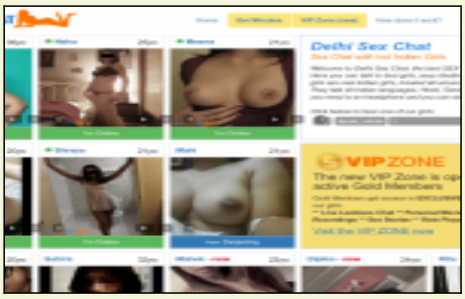

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Urdu Sex Videos

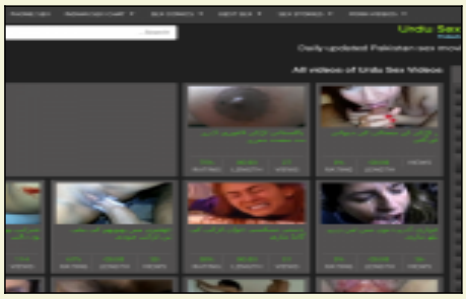

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire